तीजा-पोरा तहिार

चर्चा में क्यों?

6 सतिंबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने नविास में आयोजति **तीजा-पोरा त्योहार** के कार्यक्रम के अवसर पर समूह की **महलिा-बहनों को बड़ी सौगात** देते हुए **महलिा कोष की ऋण योजना** के अंतर्गत सभी महलिा समूहों के कालातीत ऋणों को माफ करने की घोषणा की, ताकि वे पुन: ऋण लेकर नवीन आर्थकि गतविधियाँ आरंभ कर सकें।

प्रमुख बदिु

- मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही महलिा कोष से महलिा समूहों को प्रतविर्ष दयि जाने वाले ऋण के बजट में भी **5 गुना वृद्धि** की घोषणा करते हुए महलिा कोष के बजट की राशि दो करोड़ रुपए से बढ़ाकर **10 करोड़ रुपए** करने की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की यह घोषणा राज्य में न्याय की एक कड़ी को और आगे बढ़ाने के रूप में देखी जा रही है। इससे **स्व-सहायता समूहों** से जुड़ी लाखों बहनों के सरि से 12 करोड़ 77 लाख रुपए के कर्ज़ का बोझ उतर जाएगा।
- महलिा समूहों पर बकाया कालातीत ऋण की माफी से समूहों से जुड़ी लगभग एक लाख महलिाएँ नये सरि से अपनी आर्थकि गतविधियाँ संचालति करने के योग्य हो जाएंगी और उन्हें इसके लयि सहजता से ऋण की उपलब्ध हो सकेगा।
- महलिा समूहों को अब **दो लाख रुपए की ऋण की पात्रता** होने से वह स्व-रोज़गार एवं स्वावलंबन की गतविधियों को और अधकि वसि्तार देने में सक्षम होंगी। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी और वे आर्थकि रूप से सशक्त होंगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/teeja-pora-pola-tihar